



GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD

(A Sikh minority degree college, established & Managed by Gurudwara Prabandhak Committee, Dhanbad)



Organised by
Dhanbad Police

Date: 20-08-2026 Time: 11:00 AM
Venue: RUSA Seminar Hall Room No 20

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद

गुरु नानक कॉलेज में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

“सतर्क रहें – सुरक्षित रहें” का दिया संदेश

धनबाद, 20 अगस्त 2026, गुरुवार: गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की इकाई-1 एवं-2, और धनबाद पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज के RUSA सेमिनार हॉल में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साइबर डीएसपी श्री प्रदीप कुमार साव उपस्थित थे। उनके साथ धनसार थाना प्रभारी श्री मनोहर कर्माली भी कार्यक्रम में मौजूद थे। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों, उनसे बचाव के उपायों तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले कदमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रंजना दास ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि बिना जानकारी और सत्यापन के किसी भी संदिग्ध लिंक को न खोलें, अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए मैसेज या ई-मेल का जवाब न दें तथा अपनी व्यक्तिगत और बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी-सी सावधानी साइबर ठगी से होने वाले बड़े नुकसान से बचा सकती है।

मुख्य अतिथि साइबर डीएसपी श्री प्रदीप कुमार साव ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। फर्जी बैंक कॉल, KYC अपडेट के नाम पर ठगी, OTP पूछना, फर्जी लिंक भेजना, QR कोड के माध्यम से ठगी, UPI फ्रॉड, फर्जी ऑनलाइन नौकरी एवं निवेश के ऑफर, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, फिशिंग तथा फर्जी ग्राहक सेवा नंबर जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को विशेष रूप से समझाया कि OTP, ATM/PIN, UPI PIN, पासवर्ड, CVV और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी कभी भी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं बतानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंक या कोई जिम्मेदार सरकारी संस्था फोन पर OTP अथवा UPI PIN जैसी गोपनीय जानकारी नहीं मांगती।

साइबर डीएसपी ने यह भी बताया कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से पहले उसके स्रोत की जांच करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने, संदिग्ध वेबसाइट पर व्यक्तिगत जानकारी डालने तथा बिना सत्यापन के ऑनलाइन भुगतान करने से बचना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मजबूत पासवर्ड रखने, अलग-अलग खातों के लिए अलग पासवर्ड इस्तेमाल करने तथा जहां संभव हो वहां Two-Factor Authentication (2FA) का उपयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने साइबर ठगी होने की स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध या ऑनलाइन वित्तीय ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए तथा

<https://cybercrime.gov.in> के माध्यम से भी साइबर अपराध की शिकायत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जितनी जल्दी शिकायत की जाएगी, ठगी की गई राशि को रोकने या उसके लेन-देन पर कार्रवाई की संभावना उतनी ही अधिक रहती है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डिजिटल भुगतान करते समय विशेष सावधानी बरतने, QR कोड स्कैन करने से पहले उसकी पुष्टि करने, अनजान ऐप डाउनलोड न करने, मोबाइल में स्क्रीन लॉक रखने तथा सोशल मीडिया अकाउंट की गोपनीयता सेटिंग्स को सुरक्षित रखने की सलाह दी गई। साइबर सुरक्षा से जुड़े सवालों और उनके व्यावहारिक समाधान पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नुसरत परवीन एवं सक्षम ने साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न मुख्य अतिथि के समक्ष रखे, जिनका साइबर डीएसपी ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने साइबर अपराध से बचाव के व्यावहारिक उपायों को समझा।

कार्यक्रम में प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. मीना मलखंडी, डॉ. सोनू प्रसाद यादव, डॉ. साधना सिंह, प्रो. करुणा सिंह, प्रो. मनीषा, प्रो. एकता श्रीवास्तव, प्रो. रितिका डे, प्रो. प्रतिमा कुमारी, नुसरत परवीन, कैप्टन संजय सिंह, रंजीत मिश्रा, नरेंद्र सिंह, पंकज कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं 150 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

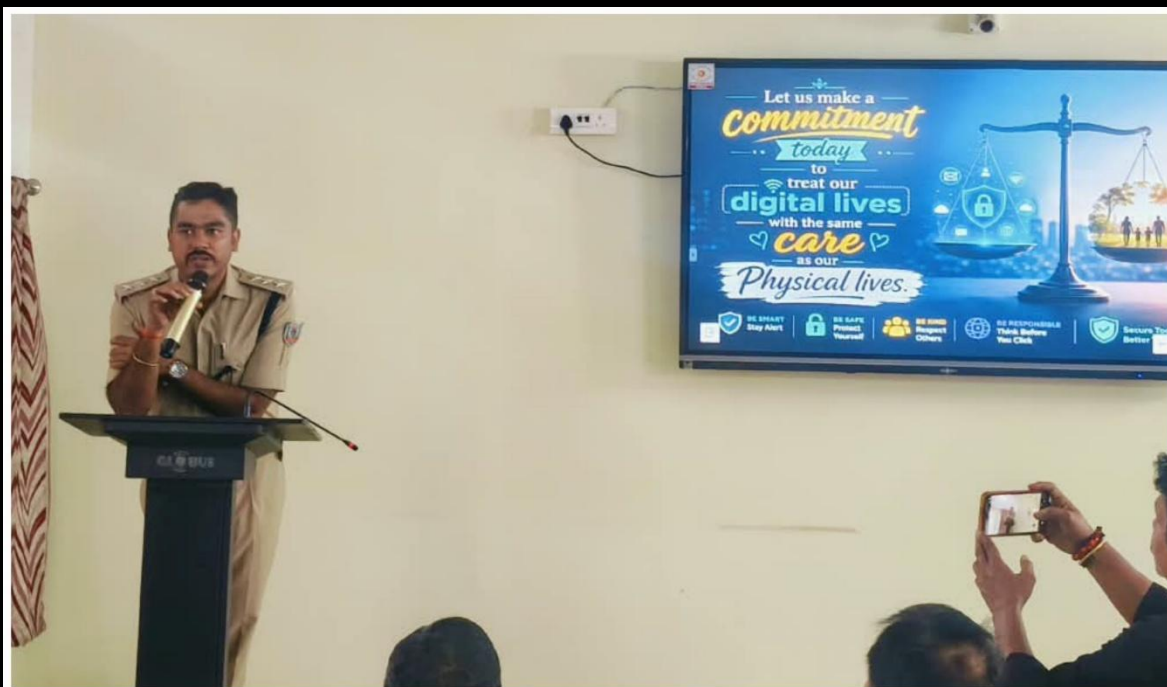
कार्यक्रम का संचालन NSS इकाई-1 के कार्यक्रम पदाधिकारी श्री दलजीत सिंह ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में NSS इकाई-2 के कार्यक्रम पदाधिकारी श्री अभिषेक कुमार सिन्हा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं समन्वय में सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में भूदा कैंपस के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. दीपक कुमार ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

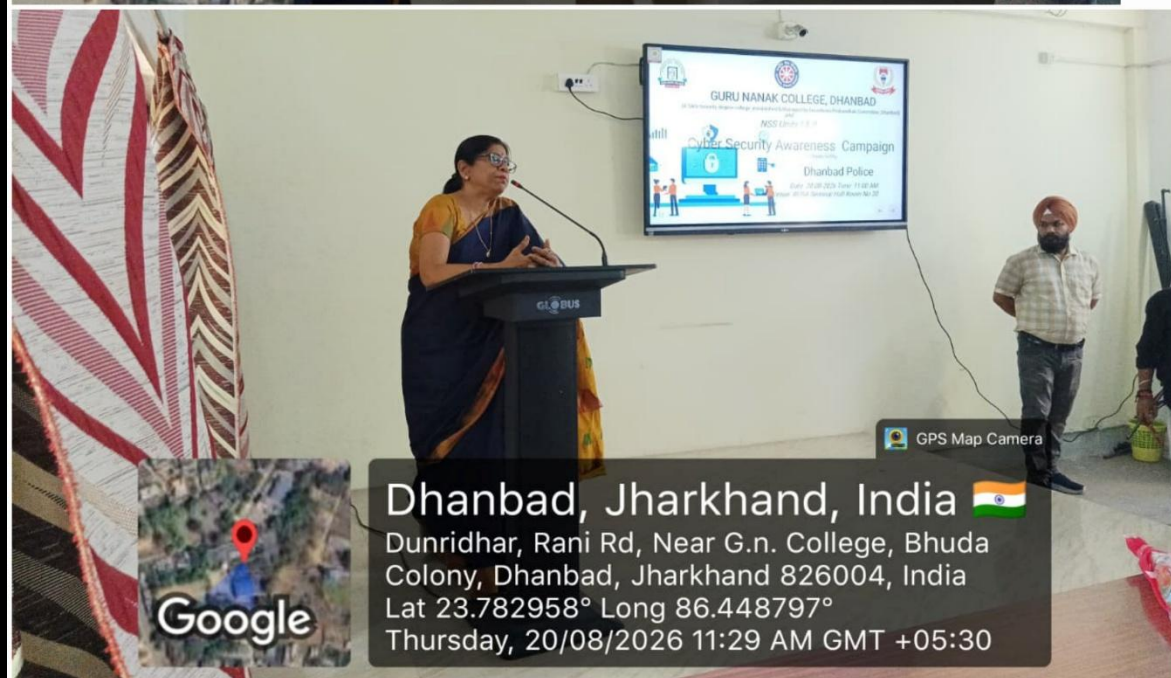
कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि “साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता और सतर्कता है।” विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि डिजिटल दुनिया का उपयोग सुविधाजनक और सुरक्षित तभी है, जब प्रत्येक व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत जानकारी और डिजिटल पहचान की सुरक्षा के प्रति सजग रहे।

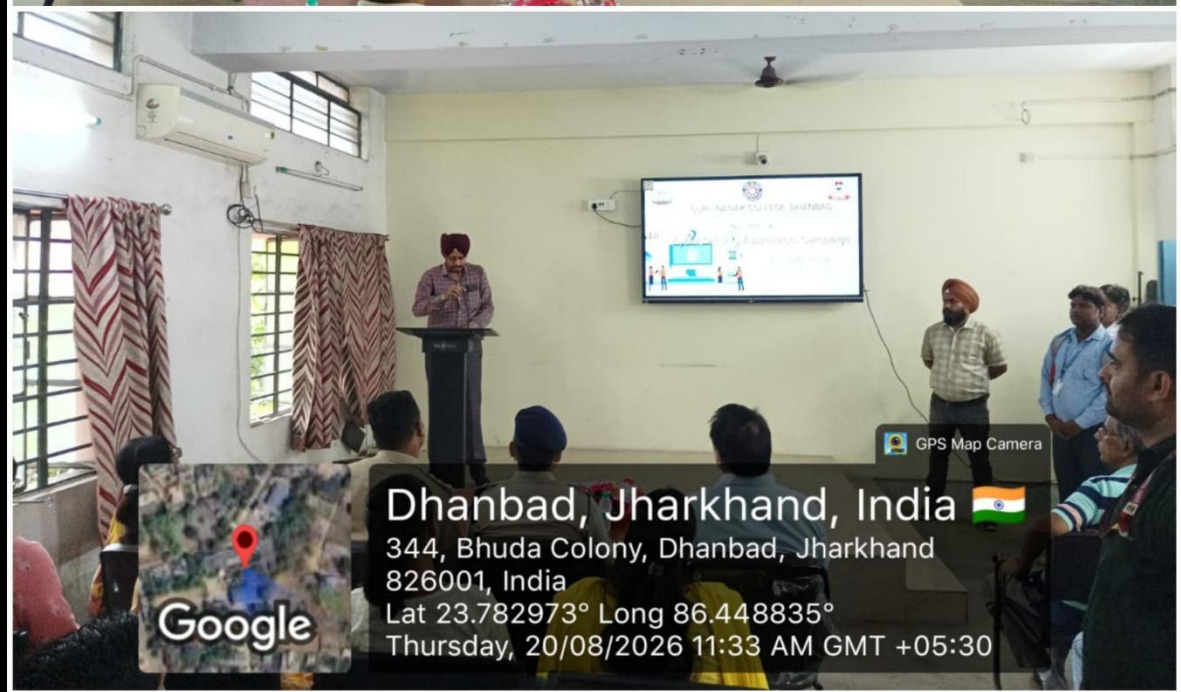
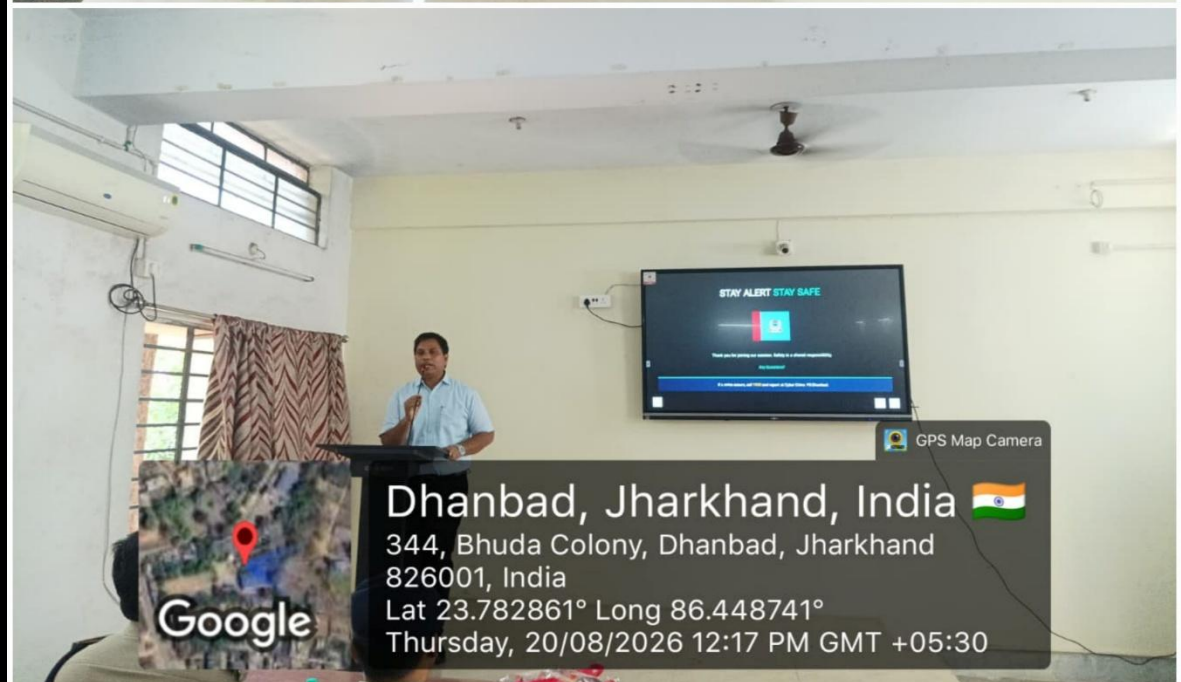
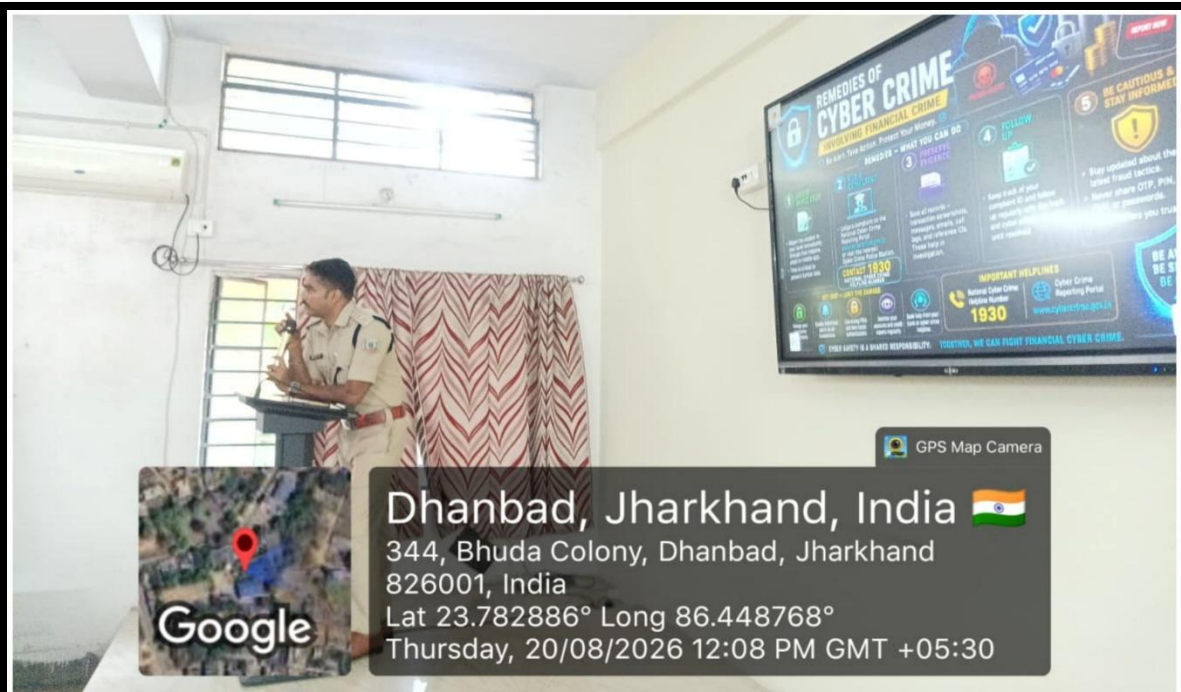
सतर्क रहें – सुरक्षित रहें।

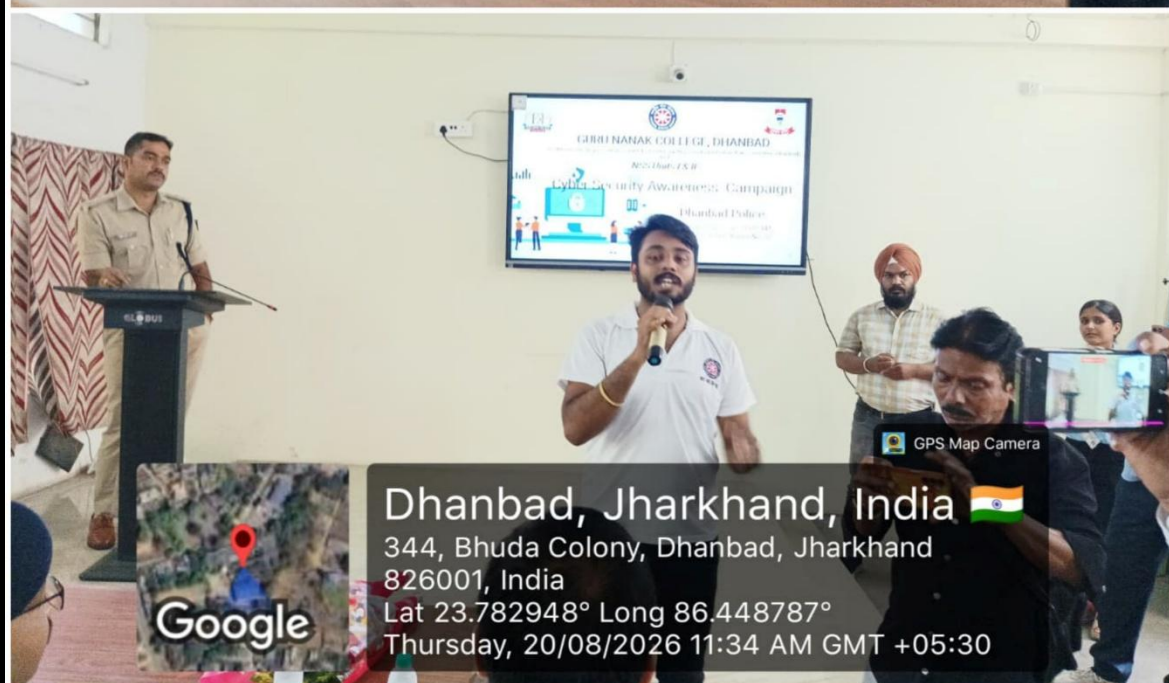












NEWS CLIPPING



<https://www.facebook.com/share/16ABAQspy9X/>



DAINIK JAGRAN

DATED :- 21-08-2026



PRABHAT KHABAR

DATED :- 21-08-2026